

893. πάσης ἀπήμον' οἰζύος] One free from all trouble. Cf. Soph. Oed. C. 786. κακῶν ἄνατος. 1514. γήρως ἄλυπα. El. 1002. ἄλυπος ἄτης. (Weckl.) Adde Ag. 311. φάος τόδ' οὐκ ἄπαιπτον Ἰδαίου πυρός. Soph. El. 36. ἄσκειον ἀσπίδων. Aj. 321. ἀπόρητος κωκυμμάτων.

894. καὶ δὴ δέδεγμαί· τίς —;] Fac me accepisse (quod obtulisti). Cf. Ch. 565. καὶ δὴ τεθναῖσι. Eur. Med. 386. εἶεν· καὶ δὴ τεθναῖσι· τίς με δέξεται πόλις; Hel. 1059. καὶ δὴ παρεῖζεν. Arist. Vesp. 1224. ἐγὼ (τάχ'?) εἴσομαι· καὶ δὴ γὰρ εἶμ' ἐγὼ Κλέων.

895. εὐθνεῖν] Florere, vigere, bona fortuna uti. Cf. 908. καρπὸν — εὐθνεοῦνται. 944. μῆλά τ' εὐθνεοῦνται. Cratin. II. 231. ἠνίξ' εὐθνεῖ. Hinc εὐθνεῖα Arist. Rhet. I. 5. 3. Formae Ionicae sunt εὐθνεῖν et εὐθνηνίη, Herod. I. 66. II. 91. 124. I. 85.

897. τῆ γὰρ σέβοντι] Sc. σε (ὕμῃς).

συμφορὰς] Events.

δοθώσομεν] Cf. 584. ἐποπτεῦσαι — | ξιφηφόρους ἀγῶνας δοθῶσαί τέ μοι.

898. ἐγγύην θήσει] Pignus dabis. Ut ὄρκους θέσθαι τινί dicitur. Ag. 1570.

899. ἔξεστι γὰρ μοι —] Redde, Ita faciam, licet enim mihi non dicere (i. e. nulla necessitate premor ut dicam) ea quae non factura sum. 'Yes, for I am not bound to state what I will not perform.' (Pal.) Cf. Dem. c. Mid. p. 538. ἐλθὼν ἐπὶ δεῖπνον οἷ μὴ βαδίζεις ἐξῆν αὐτῷ. Plat. Gorg. p. 461 F. εἰ μὴ ἐξέσται μοι ἀπιέναι καὶ μὴ ἀκούειν σου. Phaedr. p. 252 C. τούτοις δὴ ἔξεστι μὲν πείθεσθαι, ἔξεστι δὲ μὴ. Correxī, fortasse minus considerate, εἴωθα —. Cf. Soph. Oed. R. 1520. ἂ μὴ φρονῶ γὰρ οὐ φιλῶ λέγειν μάτην.

900. μεθίσταμαι ζότου] Cf. Arist. Pl. 365. ὡς πολὺ μεθέστηξ' ὧν πρότερον εἶχεν τρόπων. Vesp. 1450. ζηλῶ — τὸν πρόσβην οἷ μετέστη ξηρῶν τρόπων. Eur. Rhes. 295. μετέστημεν φόβου. Med. 898. σπονδαὶ γὰρ ἡμῖν, καὶ μεθέστηξεν χόλος (μεθέσταμεν χόλου?). Her. 796. νέος μεθέστηξ' ἐκ γέροντος αὐθις αὐ. Soph. Ant. 718. ἀλλ' εἶχε θυμοῦ καὶ μετὰστασιν δίδου. et ad Soph. Aj. 717. μετανεγνωσθη (μετ' αὐ ἔστηξεν aut μετανέστηξεν?) θυμοῦ —.

901. κατὰ χθόν' οὔσα] I. e. ἐν χώρᾳ μένουσα.

992. τί οὖν μ' ἄνωγας] Eadem verba in Soph. Phil. 100.

τί οὖν] Hiatus ut in Suppl. 306. Pers. 787. Sept. 208. 704. Soph. Phil. 100.

903. νίκης μὴ κακῆς] Victoriae non inhonestae. Cf. Sept. 716. νίκην γε μέντοι καὶ κακὴν τιμᾶ θεός. Haec νίκη describitur supra 864 sq.

ἐπίσκοπα] That aim at, point to, bespeak. Cf. Ch. 126. ἐνθάς, πατρῶων αἱμάτων ἐπισκόπους. Soph. Aj. 976. σίγησον· αὐδὴν γὰρ δοκῶ Τεύκρου κλύειν | βοῶντος ἄτης τῆσδ' ἐπίσκοπον μέλος. Post ἐπίσκοπα virgulam tantum posuerim.

904 sq. Constructio, ut alibi, subito mutatur. Dicturus enim erat, ut monuit Sidgwick, γῆθεν, ἐκ τε ποντίας θρόσου, ἐξ οὐρανοῦ τε κἀνέμων ἀημάτων, sed clausulam de ventis plenius expandit ita ut sermo aliter atque debbat terminetur. Haec Hermannus suspicatur imitatum esse Ennium apud Cic. Tusc. Quaest. I. 28. Cf. Suppl. 689 sq.